मैं तर्द्रुस्त परिवार

एक बार नही सो बार नही,
मैं ता आज करा लख वार,
मैं होर कुझ नहियो मंगदा,
मैं तर्द्रुस्त परिवार, मैं होर कुझ नहियो मंगदा

बेठा भावे घर विच रुकिया न रुके माँ,
सिर तक कदे मेरे बचिया दा दुखिया न,
रहे घरो चो बीमारी बाहर,मैं होर कुझ नहियो मंगदा,
मैं तर्द्रुस्त परिवार.....

रुखी सुखी वी खा लवागे,
मिलु जेहो जेहा ओ खा लवागे,
कोई पावे न माडी मार,
मैं होर कुझ नहियो मंगदा
मैं तर्द्रुस्त परिवार.....

दु:ख दे दिन न कदे दिखावे,
भरमे दा तू मान वदावी,
मिले काके नु सत्कार,
मैं होर कुझ नहियो मंगदा
मैं तर्द्रुस्त परिवार.....

Source:
https://www.bharattemples.com/main-tadrust-parivar-main-hor-kuj-nhiyo-mangda-ek-vaar-nhi-so-baar-nhi-main-taa-aaj-kara-lakh-vaar/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw